Baba’s Praise

18/3/2015

- बाप देखो कैसे साधारण रहते हैं। कोई भी जानते नहीं। कितना निरहंकारी बाप है।जैसे लौकिक बाप बच्चों के साथ रहते, खाते खिलाते हैं, यह है बेहद का बाप।
- ऊंच ते ऊंच बाप है
- बाप तुम बच्चों को रचता और रचना की नॉलेज अच्छी रीति बैठ समझाते हैं।
- नर्क से फिर स्वर्ग बाप ही बनायेंगे।

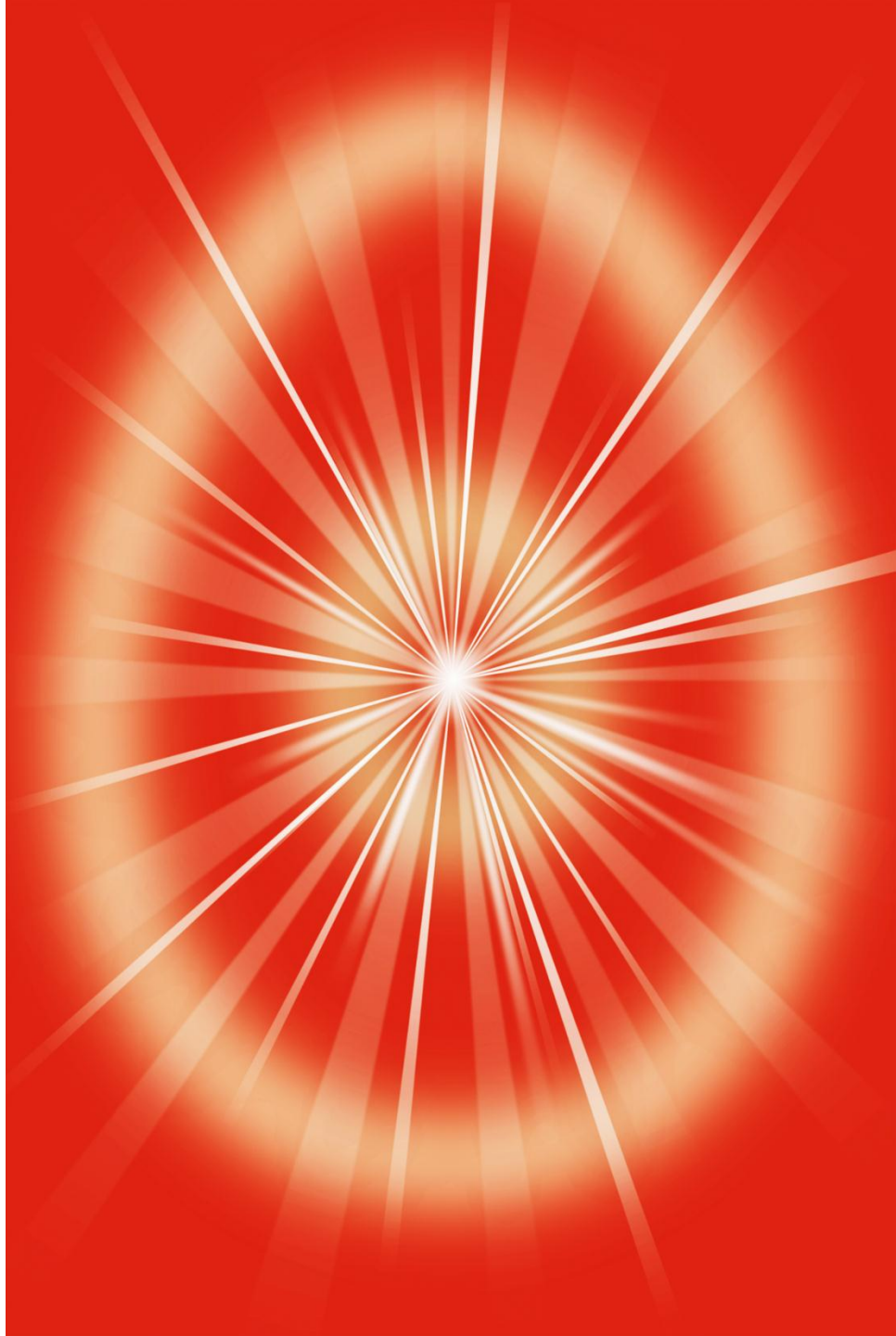

- यह वही महाभारत लड़ाई है जो गीता में गाई हुई है। गीता का भगवान आया था, गीता सुनाई थी। किसलिए? मनुष्य को देवता बनाने।

- बाप कहते हैं तुमको स्वर्ग की बादशाही देता हूँ।

- शिवबाबा तो दाता है ना। उनको खर्चा क्या देंगे।
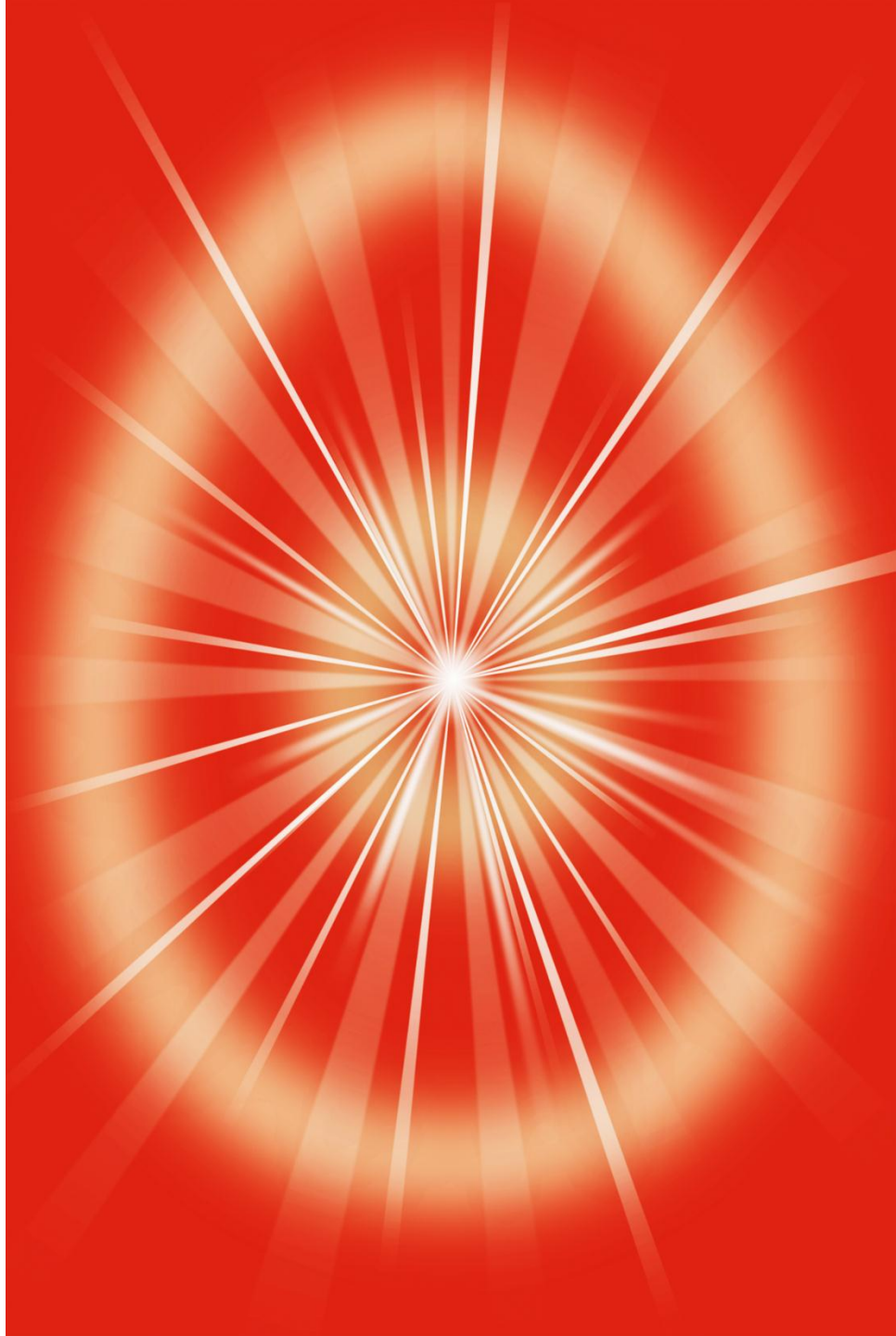
- करनकरावनहार करा रहे हैं, मैं निमित्त हूँ-इसी स्मृति से सफलता होती है।